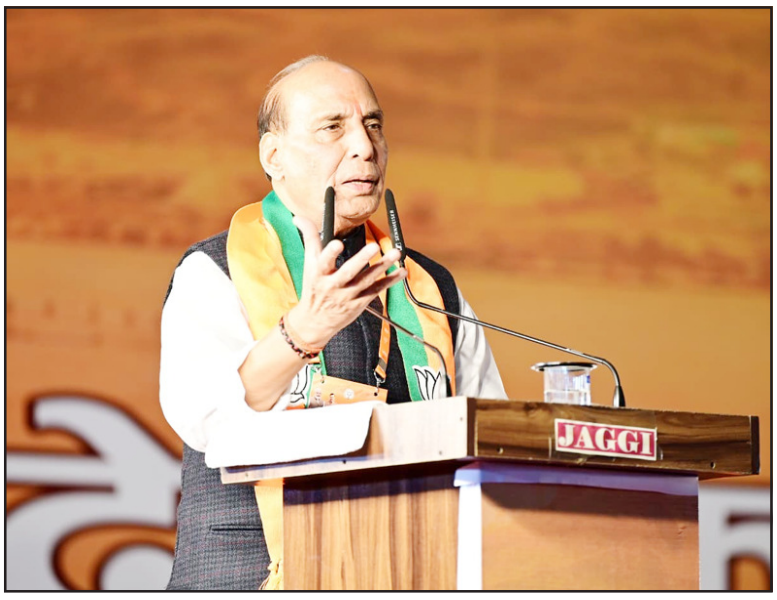
सांध्य दैनिक
रविवार
वर्षः 19 अंक : 227
22 नवम्बर 2026
पृष्ठ : 8
मूल्य 1.00 रूपये प्रति
प्रकाशन स्थल-देहरादून
RNI NO- UTTHIN/2008/25027
वेबसाईट - www.devpath.in
E-mail: devpath2018@gmail.com

डीएवीपी एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त

देवपथ

पैनी नज़र तीखी जुबां गहरा असर

उत्तराखंड में हमारा और आपका कमल कमाल कर रहा है : राजनाथ सिंह



देहरादून 22 नवंबर (नि०स०)। केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राजनाथ सिंह ने रविवार को हरिद्वार में आयोजित भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती, वैचारिक प्रतिबद्धता, जनसेवा और आपसी एकजुटता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वास्तविक शक्ति उसकी सरकार नहीं, बल्कि उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन सत्ता में रहते हुए भी उतना ही सक्रिय, जीवंत और प्रभावशाली रहना चाहिए, जितना सत्ता से बाहर रहते हुए रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा का संगठन देवदार के विशाल वृक्ष की तरह मजबूत और गहरी जड़ों वाला है। लगातार दो बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनना संगठन के परिश्रम और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं के इसी उत्साह, जनता के समर्थन और सरकार के विकास कार्यों के आधार पर प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि हरिद्वार की आध्यात्मिक भूमि पर कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर उन्हें शांति, प्रसन्नता, उपलब्धि और विश्वास की अनुभूति हो रही है। लंबे समय तक उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए विशेष रहा है। आज बड़ी संख्या में नए और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की उपस्थिति संगठन के निरंतर विस्तार और मजबूती का प्रमाण है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की लगातार मिल रही सफलताओं के पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सशक्त नेतृत्व, उनकी जनकल्याणकारी नीतियां और पार्टी के कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम है। आज देश के 20 से अधिक राज्यों में एनडीए की सरकारें होना संगठन की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जनकल्याण की भावना से प्रेरित है। उन्होंने भाजपा की वैचारिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान न होने का संकल्प तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक नींव हैं। एकात्म मानववाद का दर्शन व्यक्ति के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समग्र सुख एवं विकास की अवधारणा पर आधारित है। इसी विचारधारा से प्रेरित होकर भाजपा अंत्योदय के संकल्प के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता साध्य नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। पार्टी का कार्यकर्ता चुनावी सफलता के लिए ही नहीं, बल्कि समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए काम करता है। सत्ता में रहना अथवा विपक्ष में रहना भाजपा की विचारधारा को प्रभावित नहीं कर सकता। सिद्धांतों और विचारधारा के साथ समझौता करना पार्टी के कार्यकर्ताओं की संस्कृति नहीं है।

कार्यकर्ताओं को दिए संगठन मजबूती के नौ सूत्र

रक्षा मंत्री ने अपने लंबे राजनीतिक और संगठनात्मक अनुभव के आधार पर कार्यकर्ताओं को नौ महत्वपूर्ण सूत्रों पर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पहला, भाजपा का वास्तविक बल संगठन है। सांसद, विधायक और मंत्री बनने के बाद भी जनप्रतिनिधियों की संगठन के प्रति निकटता और अधिक बढ़नी चाहिए। मंडल, जिला और बूथ स्तर पर नियमित संवाद तथा बैठकों के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता को नेतृत्व से जुड़ाव का अनुभव होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को जनता के विश्वास का ध्वजवाहक बनना होगा। किसी भी आपदा, दुर्घटना अथवा संकट की स्थिति में भाजपा कार्यकर्ता सबसे पहले सहायता के लिए पहुंचने वाला व्यक्ति होना चाहिए। कार्यकर्ता समाज का फर्स्ट रिस्पॉन्डर बने। तीसरा, डिजिटल युग में सोशल मीडिया और आधुनिक संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए। सोशल मीडिया को केवल प्रचार का माध्यम न मानकर जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को समझने तथा उनसे फीडबैक प्राप्त करने का माध्यम भी बनाया जाए।

आंगनबाड़ी संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की भेंट



देहरादून 22 नवंबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सेविका कर्मचारी यूनियन उत्तराखण्ड तथा उत्तरांचल आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडलों ने भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडलों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं एवं भोजनमाताओं का दिसंबर 2026 से मानदेय बढ़ाए जाने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस निर्णय से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उनका मनोबल भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक बाल विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उनकी सेवाएं अत्यंत सराहनीय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान, सशक्तीकरण और आर्थिक सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं समाज की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके योगदान को देखते हुए राज्य सरकार उनके हितों के संरक्षण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार का प्रयास है कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को बेहतर अवसर, सम्मान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के समर्पण और सेवाभाव से प्रदेश में महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूती मिल रही है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सेविका कर्मचारी यूनियन उत्तराखण्ड की प्रांतीय महासचिव श्रीमती चित्रकला, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी पंत, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योतिका पांडे तथा उत्तरांचल आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश महामंत्री श्रीमती वृन्दा, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती भगवती बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती राजमती नेगी सहित दोनों संगठनों के अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यातायात नियमों के प्रति लोगों को जोड़ने की कवायद, दून पुलिस ने चौराहों पर बांटे पंपलेट



देहरादून 22 नवंबर (नि०स०)। देहरादून पुलिस ने रविवार को शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने दोपहिया वाहन चालक के साथ पीछे बैठने वाली सवारी को भी अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की है। शहर के व्यस्त इलाकों में लोगों को सड़क सुरक्षा से जोड़ने के लिए पुलिस टीमों ने एग्जीबिशन वैन और पंपलेट का सहारा लिया। घंटाघर, दिलाराम चौक, सर्वे चौक, लैंसडाउन चौक, रिस्पना, आईएसबीटी, बल्लूपुर और प्रेमनगर जैसे स्थानों पर लोगों को रुकवाकर यातायात नियमों की अहमियत समझाई गई। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने एग्जीबिशन वैन पर प्रदर्शित वीडियो के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के तरीके दिखाए। दरअसल, कई वाहन चालक खुद हेलमेट पहन लेते हैं, लेकिन पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए इसे नजरअंदाज कर देते हैं।

ऑनलाइन मकान खरीदने के झांसे में 40 लाख ठगे, पिता-पुत्र को ऑफिस में बंधक बनाया

देहरादून(आरएनएस)। सेक्टर-51, गुरुग्राम, हरियाणा निवासी हरवीर सिंह अहलावत ने प्रेमनगर थाने में पांच लोगों पर जमीन धोखाधड़ी और बंधक बनाने का केस दर्ज कराया है। कहा कि बीते एक मई को 99 एकड़ साइट के जरिये पौंधा निवासी विधान चौधरी से मौजा पौंधा में 150 वर्गमीटर पर बने मकान को खरीदने की बात हुई थी। 24 मई को विधान, उसके पिता विपिन कुमार व सोमय ने साइट दिखाकर 1.18 करोड़ रुपये में सौदा तय किया। पीड़ित ने 24 मई से सात जुलाई के बीच नकद, यूपीआई व बैंक ट्रांसफर से विपिन आदि को 15 लाख और कानूनी मालिक अजमेर निवासी युवराज सिंह व शर्ती सिंह के संयुक्त खाते में 25 लाख समेत कुल 40 लाख रुपये दिए। आरोप है कि नौ जुलाई को ऑफिस बुलाकर आरोपियों ने 23 लाख रुपये नकद मांगे और इनकार पर हरवीर व उनके पिता शमशेर सिंह को कई घंटे बंधक बनाकर धमकाया। बाद में रजिस्ट्री से भी टालमटोल की। एसओ गिरीश नेगी ने बताया कि शनिवार को केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

देवलेश्वर महादेव के जयकारों से गूंजा गगवाड़स्यूं, कमलव्यूह के मंचन ने खींचा दर्शकों का ध्यान!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । गगवाड़स्यूं घाटी के बलोड़ी स्थित सिद्धपीठ देवलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित मेले में रविवार को आस्था, लोक संस्कृति और पौराणिक परंपराओं का संगम देखने को मिला। घाटी के 34 से अधिक गांवों के आस्था केंद्र इस मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया तथा ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी ने भी प्रतिभाग कर देवलेश्वर महादेव के दर्शन किए और जनपदवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। वर्ष 2016 में शुरू हुआ यह आयोजन इस वर्ष 11वें पड़ाव पर पहुंचा। मेले को लेकर स्थानीय नागरिकों में खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोगों ने जिलाधिकारी एवं अन्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। जिलाधिकारी को अपने बीच पाकर स्थानीय नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया। इस दौरान मंदिर समिति की ओर से अतिथियों को स्मृति चिह्न भी भेंट किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि किसी क्षेत्र की पहचान केवल उसके भौगोलिक स्वरूप से नहीं, बल्कि वहां की संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक विरासत से भी बनती है। देवलेश्वर महादेव मंदिर इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यहां आयोजित होने वाले मेले पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, जिससे दूसरे क्षेत्रों के लोग भी यहां पहुंचें और स्थानीय लोक संस्कृति को जानने का अवसर मिले। इससे इन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पिछले वर्ष भी यहां आयी थीं। उस समय मंदिर में स्थायी मंच सहित कुछ अन्य निर्माण कार्यों की आवश्यकता सामने आई थी। अब परिसर में इन सुझावों के अनुरूप कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए इसे और भव्य स्वरूप देने के लिए आगे भी प्रयास किए जाएंगे। मंदिर समिति के सदस्य जगत किशोर बड़थ्वाल ने जिलाधिकारी का आभार जताते हुए बताया कि गत वर्ष जिलाधिकारी को दिए गए सुझावों के क्रम में मंदिर परिसर में देवपथ, टीनशेड, हॉल, मंच और परिक्रमा पथ का निर्माण कराया गया है।

बाहरी व्यक्तियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मेला क्षेत्र में विशेष सत्यापन अभियान जारी।

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । श्रीनगर गढ़वाल में दिनांक 23 नवम्बर से 02 दिसम्बर 2026 तक आयोजित होने वाले प्रसिद्ध बैकुंठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी-2026* को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पौड़ी पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा मेला क्षेत्र एवं उसके आसपास के संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इस दौरान मेला परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्गों, पार्किंग स्थलों, प्रमुख चौराहों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की जा रही है, ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही आवागमन को सुचारू रखा जा सके। मेले के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पौड़ी पुलिस द्वारा मेला क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में विशेष सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, श्रमिकों, फड़-फेरी एवं अस्थायी रूप से कार्य करने वाले व्यक्तियों के सत्यापन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखते हुए आवश्यक पूछताछ एवं जांच की जा रही है।

DECORA 3.0 के तीसरे दिन उमड़ी लोगों की भीड़, पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

देहरादून (नि०स०)। रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय प्रदर्शनी ष्ठश्वष्ठह्क 3.0 के तीसरे दिन रविवार को लोगों की अच्छी भीड़ देखने को मिली। छुट्टी का दिन होने के चलते प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों पर जाकर उत्पादों एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी ली। कुछ स्टॉलों पर अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जबकि कुछ पर लोगों की आवाजाही औसत रही। प्रदर्शनी के तीसरे दिन पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें चार विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इसमें शशि मोहन श्रीवास्तव (आर्किटेक्ट एवं अर्बन प्लानर), डॉ. एस.के. सिंह (चीफ साइंटिस्ट एवं प्रोफेसर, ACSIR - सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट), डॉ. प्रशांत अग्रवाल (डेजिग्नेटेड पार्टनर एवं डायरेक्टर इक्विवेलेंट, Elite Infrastructure Quality) और डॉ. अंजुला नेगी (सेक्रेटरी, इंस्टीट्यूशनल कोऑपरेशन फोरम, इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया) शामिल रहे। पैनल डिस्कशन के दौरान सभी विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी PPT प्रस्तुत कर संबंधित विषयों को विस्तार से समझाया। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के आधार पर प्रस्तुतियां दीं और महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

सेवानिवृत्त उपकोषाधिकारी अवतार सिंह रावत का निधन,पत्रकार पुष्कर रावत के पितृशोक , क्षेत्र में शोक की लहर

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। गैरसैंण नगर निवासी पत्रकार पुष्कर सिंह रावत कोलखी के पिता एवं सेवानिवृत्त उपकोषाधिकारी अवतार सिंह रावत (75) वर्ष का लंबी बीमारी के बाद आज शनिवार तड़के छह बजे उनके पैतृक गांव कोयलख में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही गृह क्षेत्र सहित गैरसैंण नगर में शोक की लहर छा गई। उनका अंतिम संस्कार पैतृक कस्तोली घाट में किया गया.उनके ज्येष्ठ पुत्र पत्रकार पुष्कर सिंह रावत सहित मुकेश और संजय ने मुखाग्नि देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। उनकी अंत्येष्टि में मेहलचौरी, गैरसैंण,आगरचट्टी ,कोयलख,बडियारी,पंचाली, ल्वारखंड, रामडा, जिनगौड आदी गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सेवानिवृत कोषाधिकारी अवतार सिंह रावत बेहद अनुशासित और कड़क स्वभाव के अधिकारी थे। कोषागार से संबंधित कार्यों में नियमों का कड़ाई से पालन करने के चलते उनकी पहचान एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में रही। उनके निधन पर विधायक कर्णप्रयाग अनिल नौटियाल,दायित्वधारी रामचंद्र गौड,सतीश लखेडा,टीका प्रसाद मैखुरी,जगदीश बहुगुणा,कांग्रेस के मुकेश नेगी,हरिकृष्ण भट्ट,नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी,प्रमुख गैरसैंण दुर्गा रावत,जिला पंचायत सदस्य कोठा सुरेश बिष्ट,जिला पंचायत सदस्य आंद्रपा के जगदीश घंडियाली,मालसी की कामेश्वरी देवी,बच्छुवाबाण की अनिता रावत, ज्येष्ठ प्रमुख लीलाधर जोशी, प्रधान संगठन अध्यक्ष मनोज नेगी, पूर्व प्रमुख जानकी रावत शशि सौरियाल सुमति बिष्ट,व्यापार संघ अध्यक्ष गैरसैंण सुरेन्द्र बिष्ट,मेहलचौरी के मोहन सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

बैकुंठ चतुर्दशी मेले की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, आवास विकास मैदान में हुआ भूमि पूजन

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । देवभूमि की धार्मिक आस्था, लोकसंस्कृति और परंपराओं का प्रतीक बैकुंठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी-2026 अब अपने भव्य आगाज की ओर बढ़ रहा है। मेले के सफल एवं निर्विघ्न आयोजन की कामना के साथ रविवार को आवास विकास मैदान में नगर निगम की ओर से विधिवत भूमि पूजन किया गया। पूजा-अर्चना के साथ ही मेले की तैयारियों को धार्मिक एवं औपचारिक रूप से गति मिल गई। इस दौरान महापौर आरती भंडारी, नगर आयुक्त नुपुर वर्मा समेत पार्षदगण, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। भूमि पूजन के दौरान पंडित विपिन थपलियाल ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। इस अवसर पर महापौर आरती भंडारी ने कहा कि बैकुंठ चतुर्दशी मेला श्रीनगर की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी लोकसंस्कृति, लोककला और सामाजिक एकता का उत्सव भी है। नगर निगम का प्रयास है कि इस वर्ष मेले को पहले से अधिक भव्य, आकर्षक, सुरक्षित और व्यवस्थित स्वरूप दिया जाए।



महापौर आरती भंडारी ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने नगरवासियों से मेले को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील भी की।

लोकसंस्कृति और विकास का दिखेगा अनूठा संगम : बैकुंठ चतुर्दशी मेले के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस बार स्थानीय उत्तराखंडी कलाकारों को विशेष मंच देने की पहल की जा रही है, जिससे क्षेत्र की लोककला और प्रतिभाओं को व्यापक पहचान मिल सके। मेले को जनभागीदारी और स्थानीय संस्कृति के उत्सव के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भूमि पूजन के साथ ही आवास विकास मैदान में मेला परिसर की सजावट, स्टॉल निर्माण, सांस्कृतिक मंच, झूले-चरखियों और अन्य व्यवस्थाओं का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। वहीं, शहर के प्रमुख मंदिरों को भी आकर्षक ढंग से सजाने की तैयारियां की जा रही हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि मेले में पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर व्यवस्थाओं के साथ यादगार अनुभव मिल सके। इस अवसर पर पार्षद दिनेश पटवाल, प्रवेश चमोली, पंकज सती, आशीष नेगी, अंजनी भंडारी, अंजना डोभाल, सुनीता गैरोला, गुड्डी गैरोला, पूजा किमोठी, रश्मि, झाबर रावत, सुरेंद्र कुमार, उज्ज्वल अग्रवाल, सोनू चमोली, नरेंद्र रावत, अनुराग चौहान, सुमित बिष्ट, धर्म सिंह रावत सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पौड़ी में 656 बूथों पर पिलाई गई पोलियो की खुराक, 50,404 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । जनपद पौड़ी में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय पौड़ी में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय कुमार त्यागी ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में अभियान के तहत कुल 656 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इनके माध्यम से 50,404 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को बूथ पर किसी कारणवश पोलियो की खुराक पीने से छूट गए बच्चों को 23 और 24 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी बच्चों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. जीशान अली, प्रीती रतूड़ी, नरेंद्र रावत, विधि भंडारी, रेखा कपरवाण, त्रिलोक सिंह नेगी, नागेंद्र रावत सहित आशा कार्यकर्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

फिल्म निर्माण के नए केंद्र के रूप में उभर रहा उत्तराखंड, गोवा में फिल्मकारों ने साझा किए अनुभव

गोवा। 57वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (IFFI)-2026 के अंतर्गत आयोजित Waves Film Bazaar में उत्तराखंड की फिल्म नीति एवं शूटिंग डेस्टिनेशन्स को लेकर विशेष पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। 'Destination Uttarakhand: Where Nature Meets Cinematic Magic' विषय पर आयोजित इस सत्र में उत्तराखंड को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं, फिल्मकारों को दी जा रही सुविधाओं और राज्य की फिल्म प्रोत्साहन नीति पर विस्तार से चर्चा हुई। पैनल डिस्कशन में उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के संयुक्त निदेशक के.एस. चौहान, अभिनेत्री एवं फिल्म निर्माता आरुषि निशंक तथा प्रसिद्ध फिल्म निर्माता राम रेड्डी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन अभिनेत्री शीना ने किया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक के.एस. चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में तैयार उत्तराखंड फिल्म पॉलिसी-2024 राज्य में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने और उत्तराखंड को प्रमुख फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत पात्रता एवं निर्धारित शर्तों के अनुसार हिंदी फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी सीरियल्स के लिए अधिकतम 3 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। इसके साथ ही सिंगल विंडो व्यवस्था और सरल शूटिंग अनुमति प्रक्रिया के माध्यम से फिल्मकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के हिमालयी प्राकृतिक दृश्य, नदियां, पर्वतीय स्थल, ऐतिहासिक एवं विरासत भवन तथा समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएं फिल्मकारों को शूटिंग के लिए विविध लोकेशन्स उपलब्ध कराती हैं। मसूरी, लैंडौर, नैनीताल, देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार सहित गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों में फिल्म निर्माण की व्यापक संभावनाएं हैं। फिल्म नीति का प्रमुख आधार 3ञ्ज यानी टैलेंट, ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी है, जिसके माध्यम से स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को अवसर देने के साथ क्षेत्रीय सिनेमा को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

देहरादून में भक्तिद्वार टेलीविजन OTT का भव्य शुभारंभ, अनूप जलोटा ने भजनों से बांधा समां; बोल-'मेरा जन्म नैनीताल में हुआ, मैं भी उत्तराखंड का हूं'

देहरादून (नि०स०)। भक्ति, संस्कृति और सनातन परंपरा के संदेश के साथ भक्तिद्वार टेलीविजन OTT का भव्य शुभारंभ देहरादून में किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री अनूप जलोटा सहित उत्तराखंड की कई प्रतिष्ठित हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री एवं प्रख्यात भजन गायक अनूप जलोटा विशेष आकर्षण रहे। उन्होंने अपने लोकप्रिय भजनों 'ऐसी लागी लगन', 'राम आएंगे' और 'गोविंद जय जय' की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उत्तराखंड से अपने भावनात्मक जुड़ाव को साझा करते हुए अनूप जलोटा ने कहा, 'मैं उत्तराखंड का ही हूं, क्योंकि मेरा जन्म नैनीताल में हुआ है।' उनकी इस बात ने समारोह में मौजूद लोगों के साथ एक आत्मीय जुड़ाव कायम किया। खास बात यह रही कि कार्यक्रम से पहले अनूप जलोटा ने देहरादून में ही भक्तिद्वार टेलीविजन ह्वञ्ज के आगामी शो 'कर्मों का फल' की शूटिंग भी की। इस शो का संदेश है कि मनुष्य के प्रत्येक कर्म का अपना परिणाम होता है। शूटिंग के बाद शाम को आयोजित ह्वञ्ज लॉन्च समारोह ने दिनभर की गतिविधियों को एक विशेष पहचान दी। भक्तिद्वार टेलीविजन ह्वञ्ज के संस्थापक एवं संचालक दिनेश असोपा ने अपने संबोधन में लोगों से ऐप डाउनलोड करने और इस पहल से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि भक्तिद्वार के माध्यम से भजन, धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों और सनातन संस्कृति से जुड़ी सामग्री दर्शकों तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ऐप का मासिक सब्सक्रिप्शन केवल 11 रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस मंच से जुड़ सकें। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे इस पहल का समर्थन करें और सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति से जुड़ी सामग्री को प्रोत्साहित करें।

मध्यप्रदेश को जनकल्याण के क्षेत्र में मिले दो राष्ट्रीय सम्मान, तीन शहरों ने भी जीते अवार्ड

भोपाल । मध्यप्रदेश में जन कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में 'स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026' समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य और सर्वाधिक ऋण वितरण की श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही प्रदेश के तीन नगरीय निकाय इंदौर, सारणी और बालाघाट ने भी अपनी-अपनी श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए है । गौरतलब है कि जनजातीय बाहुल्य जिले बालाघाट को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों एवं जनजातीय समुदाय के लाभार्थियों तक इस योजना का लाभ पहुंचा है। मालवा अंचल के इंदौर से लेकर सतपुड़ा अंचल के सारणी और महाकौशल के बालाघाट की यह राष्ट्रीय उपलब्धियां प्रदेश में इस योजना के व्यापक क्रियान्वयन एवं प्रसार को रेखांकित करती है। समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। मध्यप्रदेश की ओर से नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे तथा अपर आयुक्त एवं मिशन संचालक पीएम स्वनिधि शिशिर गेमावत ने पुरस्कार प्राप्त किए। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगरीय निकायों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में नगर निगम इंदौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इंदौर ने स्ट्रीट वेंडर्स को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने, योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। इसी प्रकार टाउन सिटी श्रेणी में नगर पालिका परिषद सारणी ने द्वितीय तथा नगर पालिका परिषद बालाघाट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। दोनों निकाय ने पात्र पथ विक्रेताओं की पहचान, ऋण आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रिया में सहयोग, बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय तथा योजना के लाभों को अंतिम हितग्राही तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य के साथ तीन नगरीय निकाय को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान प्रदेश में पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है।

शिल्पग्राम में गणगौर कला महोत्सव का राज्यपाल बागडे ने शुभारम्भ किया

जयपुर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में आयोजित गणगौर कला महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने वहां कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और राजस्थान की कलाओं के प्रदर्शन की सराहना की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने राजस्थानी में अपनी बात रखते हुए कहा कि राजस्थान गणगौर संस्कृति से जुड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि अभावों में भी भाव भरने वाला राजस्थान बार-बार अकाल की मार सहने के बावजूद थमा नहीं, विकास की नई करवट लेता आगे बढ़ता रहा है। उन्होंने राजस्थान को भौगोलिक विषमता और अभावों में उत्सवधर्मिता का वरण करने वाले बताते हुए इसकी कला संस्कृति की सराहना की। राजस्थान की 'पधारो म्हारे देस' की मिठी मनुहार, मांड जैसी विरल लोक गायकी, गवरी, रम्मत, नौटंकी जैसे लोक नाट्यों, घूम्मर, गैर, गींदड़ जैसे अद्भुत नृत्य की परंपराओं के सहेजने का आह्वान किया। बागडे ने गणगौर कला महोत्सव के बहाने भक्ति और शक्ति के संगम राजस्थान के कण-कण में व्याप्त त्याग, तपस्या और बलिदान की गाथाओं को याद करते प्रदेश के विकास का संकल्प लेने पर जोर दिया।

मुजफ्फरनगर में प्लास्टिक के गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में प्लास्टिक के एक गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा गोदाम इसकी चपेट में आ गया और अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, प्लास्टिक के गोदाम के बगल में देवलोक बैंक्वेट हॉल स्थित है, जहां शादी समारोह आयोजित किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि शादी में विदाई समारोह के दौरान आतिशबाजी की गई थी। आशंका जताई जा रही है कि पटाखों से निकली चिंगारी गोदाम तक पहुंच गई, जिससे वहां आग लग गई। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। गोदाम में प्लास्टिक का सामान होने के कारण लपटें तेजी से फैलने लगीं। सूचना पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां और तीन पेपर मिलों की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी करते रहे। इस घटना के बाद गोदाम के मालिक की तबीयत भी बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें भर्ती कराया गया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में भी सतर्कता बरती गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार ने बताया कि विभाग को कुकड़ा चौक के पास आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद तत्काल दमकल टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि प्लास्टिक के गोदाम में आग लगी हुई है। गोदाम के ठीक सामने बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह चल रहा था। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह विदाई समारोह के दौरान पटाखे छोड़े गए थे। आशंका है कि पटाखों से निकली चिंगारी गोदाम तक पहुंची और आग लग गई।

पीएम मोदी ने नीतीश सेतु का किया उद्घाटन, बोले- विकास की राह पर बढ़ता बिहार



पटना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने छह लेन के केबल-स्टे ब्रिज नीतीश सेतु का उद्घाटन किया और राज्य में कई अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की विकास यात्रा, सुशासन और केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ अभी संपन्न हुआ है। बिहार की माताओं और बहनों ने कठिन निर्जला व्रत रखकर परिवार, समाज और पूरे जगत के मंगल की कामना की है। छठी मैया के आशीर्वाद से अब बिहार में विकास का पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की विकास यात्रा में सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ी है। लोकतंत्र की ताकत को जनकल्याण का माध्यम बनाया गया है। एनडीए सरकार अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर रही है और इस अवसर के आयोजन के लिए लोकतंत्र की महान धरती वैशाली को चुना गया है। उन्होंने वैशाली और बिहार की मिट्टी को नमन करते हुए एनडीए के सभी घटक दलों, कार्यकर्ताओं और बिहारवासियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि करीब तीन दशक पहले बिहार ने उम्मीद और विश्वास की नई राह चुनी थी। दशकों तक बदहाली झेलने वाले बिहार को नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन का नया भरोसा मिला। नीतीश कुमार ने वर्षों तक मुख्यमंत्री के तौर पर बिहार की सेवा की और अब उनके आशीर्वाद से इस अभियान को सम्राट चौधरी और उनकी पूरी टीम आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि आज यहां हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। उन्हें पूरा विश्वास है कि उनके मित्र रामविलास पासवान की आत्मा जहां भी होगी, वह भी इन कार्यों को देखकर हम पर फूलों की वर्षा कर रही होगी, क्योंकि उनके सपनों को भी साकार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन केबल-स्टे ब्रिज को जनता को समर्पित किया। इस आधुनिक पुल का नाम नीतीश कुमार के सम्मान में नीतीश सेतु रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह पुल बिहारवासियों की ओर से नीतीश कुमार के सेवा और समर्पण के सम्मान का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से पटना और वैशाली के बीच दूरी और आवागमन की मुश्किलें कम होंगी। फसल, फल, सब्जियां, दूध और दही को बड़े बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। इससे क्षेत्र के युवाओं को पढ़ाई और बुजुर्गों को इलाज व दवाइयों के लिए आने-जाने में भी सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने बिहार में आधुनिक सड़क नेटवर्क के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि आज औरंगाबाद-चोरदाहा छह लेन हाईवे का भी लोकार्पण किया गया है। इन परियोजनाओं पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क के साथ-साथ बिहार में ऊर्जा और शहरी विकास की तस्वीर भी तेजी से बदल रही है। इसी दिशा में बक्सर थर्मल पावर प्लांट के निर्माण और फुलवरिया बांध पर सोलर एनर्जी प्लांट जैसे बड़े कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय बिहार के हजारों गांवों तक बिजली नहीं पहुंची थी, लेकिन आज वही बिहार बिजली उत्पादन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने के लिए 100 आधुनिक ई-बसों को भी हरी झंडी दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आज हजारों गरीब परिवारों को उनके पक्के घरों की चाबियां सौंपी गई हैं। प्रधानमंत्री ने इन सभी विकास कार्यों के लिए बिहार के लोगों को बधाई दी।

सपा में कई नेताओं की एंट्री से अखिलेश ने बढ़ाया सियासी दांव, बोले-भाजपा सबसे बड़ा संकट, सत्ता से हटने पर ही मिलेगी मुक्ति



लखनऊ । उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी ने शनिवार को अपने राजनीतिक कुनबे का विस्तार किया। पूर्व मंत्री अवधेश चौहान, अनिल कसाना, उत्पल राय, विनय प्रताप, वीरेंद्र, अदनान अशरफ खान और महेश कुमार बबलू समेत कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भाजपा देश और प्रदेश के सामने सबसे बड़ा संकट है। भाजपा के सत्ता से हटने पर ही इस संकट से मुक्ति मिल सकेगी। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के लोगों को लगने लगा है कि कमल मुरझा गया है, इसलिए अब वे राधे-राधे कहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां विदाई के समय भी राधे-राधे कहा जाता है। इस बार जनता भाजपा सरकार की विदाई करने जा रही है। सपा अध्यक्ष ने पार्टी में शामिल हुए नेताओं को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और भाजपा सरकार में उनके साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना समाप्त की जाएगी। पार्टी की वेबसाइट पर जनता की ओर से दिए जा रहे सुझावों को भी गंभीरता से लेकर उन पर काम किया जाएगा। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अधिकारी सत्ता के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई अधिकारी हैं, जो पिछले 10 वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे हुए हैं। ऐसे अधिकारियों को हटाने के लिए समाजवादी पार्टी के सभी विधायकों के हस्ताक्षर से ज्ञापन दिया जाएगा। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और वोट कटने के मुद्दे पर भी अखिलेश ने भाजपा को घेरा। उन्होंने भाजपा की ओर से 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने संबंधी दावे पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी को यह आंकड़ा कहां से मिला था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के दबाव के बाद अब इस तरह के बयान सामने नहीं आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 'लाठी हारेगी, लैपटॉप जीतेगा' का नारा देते हुए इससे संबंधित नया वीडियो भी दिखाया। आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करते हुए सपा अध्यक्ष ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और बूथ प्रभारियों से मतदाता सूची में अधिक से अधिक पात्र लोगों के नाम जुड़वाने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत का रास्ता बूथ से होकर जाता है। बूथ जीतेंगे, तभी सरकार बनेगी। उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव के लिए तैयार है और जिस दिन चुनाव की घोषणा होगी, भाजपा चुनाव हार जाएगी। भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए अखिलेश ने कहा कि उसकी ज्यादातर योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार की मास्टर है। उन्होंने कहा कि पीडीए अब महज राजनीतिक नारा नहीं रह गया है, बल्कि भावनात्मक मुद्दा बन चुका है।

सम्पादकीय

इस संकट का समाधान क्या ?

पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। दीपावली के अगले दिन दिल्ली-क्तद्ब बड़े खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन 11 नवंबर को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखा। सुबह सात बजे-क्तद्ब लगभग 299 पर पहुंचा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। कुछ दिनों पहले यह आंकड़ा 'बहुत खराब और गंभीर' श्रेणी में था। मजबूत हवाओं ने कुछ प्रदूषकों को बिखेर दिया, लेकिन यह राहत नाजुक है। चांदनी चौक, आईआईटी दिल्ली, डीटीयू, नॉर्थ कैंपस और छावला जैसे कई स्टेशनों पर-क्तद्ब अभी भी 370-396 के आसपास है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के अनुसार अगले कुछ दिन भी स्थिति 'बहुत खराब' बनी रहने की संभावना है। यह सुधार दीवाली के बाद आया है। 8 नवंबर को दीवाली के दिन दिल्ली का औसत-क्तद्ब 376 दर्ज हुआ, जो पिछले पांच वर्षों में त्योहार वाले दिन का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद कई जगहों पर उनका इस्तेमाल हुआ। साथ ही मौसमी परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। त्रर्क्रक्क का स्टेज-3 छह नवंबर को एहतियाती कदम के रूप में लागू किया गया था, जब-क्तद्ब 382 पर पहुंच गया। स्टेज-1 (21 अक्टूबर से) और स्टेज-2 (2 नवंबर से) पहले से लागू थे। निर्माण गतिविधियों पर सख्ती, पुराने वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों में हाइब्रिड मोड और कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम जैसे कदम जारी हैं। पानी छिड़काव मशीनें भी तैनात की गई हैं। हरियाणा में पराली जलाने के मामले लंबे समय से कम हो रहे हैं। इस सीजन में भी संख्या अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है। पंजाब में हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में कुल संख्या काफी घटी है (2020 के मुकाबले 90 प्रतिशत से अधिक कमी), लेकिन इस साल पिछले वर्ष की तुलना में कुछ अधिक मामले सामने आए हैं। दीवाली की रात पंजाब में सैटेलाइट से एक हजार से अधिक आग के मामले दर्ज हुए, जो पूरे सीजन का उच्चतम एक दिन का आंकड़ा था। कुछ रिपोर्टों में शाम के समय जलाने की प्रवृत्ति और सैटेलाइट डिटेक्शन की सीमाओं का जिक्र है। नासा से जुड़े एक वैज्ञानिक ने आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक वास्तविक आग का अनुमान लगाया है। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मशीन वितरण, बायोगैस प्लांट और पराली बेचने के बाजार ने हरियाणा में मदद की है, लेकिन पंजाब में समय पर खेत खाली करने का दबाव अभी भी बना हुआ है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। ऐसे में त्रर्क्रक्क के विभिन्न चरण लागू होने के बावजूद प्रदूषण का स्तर दीवाली के आसपास चढ़ा और अब हवा के सहारे थोड़ा उतरा। पिछले वर्षों का अनुभव यही बताता है कि जब-क्तद्ब पहले से बहुत खराब हो जाता है, तब सख्त प्रतिबंध लगाने का मतलब है कि पहले की तैयारी अधूरी रही। वाहन जांचें और निर्माण प्रतिबंध, ट्रैफिक व आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन उनका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहता है।

देहरादून में डॉ. ए.पी.एस. औलख न्यूरोसाइकाइट्री क्लिनिक का भव्य शुभारंभ



देहरादून (नि०स०)। रेस कोर्स चौक के समीप स्थित डॉ. ए.पी.एस. औलख न्यूरोसाइकाइट्री क्लिनिक का रविवार को औपचारिक उद्घाटन किया गया। समारोह में समाज कल्याण कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर क्लिनिक का विधिवत उद्घाटन किया। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश टंडन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री खजान दास ने इस पहल की सराहना करते हुए राज्य में सुलभ और विशेषज्ञ मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया। न्यायमूर्ति राजेश टंडन ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं और समाज के समग्र कल्याण के लिए संवेदनशील व रोगी-केंद्रित मनोरोग चिकित्सा सुविधाओं के महत्व को रेखांकित किया।

कंसल्टेंट साइकाइट्रिस्ट एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ डॉ. ए.पी.एस. औलख के नेतृत्व में स्थापित इस क्लिनिक का उद्देश्य मूड और एंग्जायटी डिसऑर्डर, न्यूरोसाइकाइट्रिक समस्याओं, तनाव प्रबंधन तथा नशा मुक्ति उपचार के लिए व्यापक और संकोच-मुक्त ओपीडी सेवाएं प्रदान करना है। रेस कोर्स चौक के पास स्थित यह केंद्र पूरे क्षेत्र के मरीजों को साक्ष्य-आधारित मनोरोग मूल्यांकन और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है। उद्घाटन समारोह में डॉ. औलख के परिवार व उनकी टीम के साथ-साथ देहरादून के चिकित्सा जगत और सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। सांख्य योग फाउंडेशन की ओर से डॉ. मुकुल शर्मा और उनकी टीम ने उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. आर.के. जैन, डॉ. अपूर्वा जैन, डॉ. एच.के. जौहरी, डॉ. अनंत जौहरी, डॉ. रॉबिन विक्टर, डॉ. पी.आर. अविनाश, डॉ. पारस अग्रवाल, डॉ. भाविन, डॉ. महेश कुड़ियाल, डॉ. सुमिता प्रभाकर, डॉ. चरितेश गुप्ता और डॉ. गिरीश गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बिजली संकट की आहट

ऊर्जा नीति के दावों और जमीनी हकीकत के बीच भारत

-डॉ. सत्यवान सौरभ



बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं, बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों, किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें, शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े, तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है, दूसरी ओर ईंधन संकट, कमजोर वितरण कंपनियां, अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई—इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।

कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति, रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त, स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है, जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण, पंप्ड स्टोरेज, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई, तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है।

बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान, बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता, तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं, यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है, लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क, स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है। बढ़ती बिजली मांग को भी अब सामान्य वृद्धि मानकर नहीं चलाया जा सकता। औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, शहरीकरण और बढ़ती गर्मी ने बिजली की जरूरतों का स्वरूप बदल दिया है। आने वाले वर्षों में केवल पुराने मांग अनुमान पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार, बिजली कंपनियों और नियामकों को भविष्य की जरूरतों का वास्तविक आकलन करना होगा। अन्यथा हर गर्मी, हर औद्योगिक विस्तार और हर मांग वृद्धि के साथ संकट प्रबंधन की स्थिति पैदा होती रहेगी।

ऊर्जा क्षेत्र में सुधार का अर्थ केवल नई परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करना भी है। बिजली खरीद में पारदर्शिता, वितरण कंपनियों के घाटे का वास्तविक आकलन, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन, स्मार्ट मीटरिंग, ऊर्जा दक्षता और मांग प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उद्योगों को ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित किया जाए और घरेलू उपभोक्ताओं को भी दक्ष उपकरणों तथा बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक बनाया जाए। बिजली की बचत केवल नैतिक अपील से नहीं, बल्कि तकनीक, प्रोत्साहन और प्रभावी नीति से संभव होगी।

भारत को ऊर्जा संक्रमण के नाम पर अव्यावहारिक लक्ष्य और बिजली संकट के नाम पर पुराने ढांचे से चिपके रहने—दोनों अतियों से बचना होगा। एक ओर पर्यावरणीय जिम्मेदारी है, दूसरी ओर आर्थिक विकास और करोड़ों उपभोक्ताओं की जरूरतें। इन दोनों के बीच संतुलन ही वास्तविक ऊर्जा नीति है। स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार हो, लेकिन उसके साथ भंडारण, ग्रिड, भरोसेमंद उत्पादन और आर्थिक स्थिरता भी विकसित हो। बिजली क्षेत्र की सफलता का पैमाना मेगावाट की घोषणाएं नहीं, बल्कि निर्बाध आपूर्ति, उचित बिल, मजबूत वितरण व्यवस्था और संकट के समय उपलब्ध ऊर्जा होना चाहिए। भारत को ऐसी बिजली व्यवस्था चाहिए जो केवल आंकड़ों में विशाल न हो, बल्कि नागरिकों के जीवन में भरोसेमंद हो। आखिर विकास का उजाला तभी सार्थक है, जब वह घोषणा-पत्रों और आंकड़ों से निकलकर घरों, खेतों, अस्पतालों और उद्योगों तक बिना बाधा पहुंचे। यही भारत की ऊर्जा नीति की असली कसौटी है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकिंग उत्कृष्टता में नया मानक स्थापित किया, सीएमएमआई मैच्योरिटी लेवल 5 हासिल किया

देहरादून (कमल शर्मा)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सीएमएमआई डेवलपमेंट और सीएमएमआई सर्विसेज मॉडल, संस्करण 3.0 के अंतर्गत कैपैबिलिटी मेच्यौरिटी मॉडल इंटीग्रेशन (सीएमएमआई) मैच्योरिटी लेवल 5 हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ, बैंक भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है जिसने यह मान्यता प्राप्त की है, जो इसकी तकनीकी और डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस उपलब्धि के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, देश का पहला बैंक भी है जिसने सीएमएमआई डेवलपमेंट और सीएमएमआई सर्विसेज के दोनों मॉडल, संस्करण 3.0 को कवर करने वाले संयुक्त मूल्यांकन के माध्यम से यह मान्यता प्राप्त की। सीएमएमआई मैच्योरिटी लेवल 5 वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त सीएमएमआई ढांचे के तहत उच्चतम स्तर है और यह संगठन की उच्च प्रक्रिया मानकों को बनाए रखने, कार्यनिष्पादन में सुधार और डेटा-आधारित निर्णय लेने तथा निरंतर सुधार के माध्यम से सुसंगत परिणाम देने की क्षमता को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर अपने विचार प्रकट करते हुए, श्री कबीर भट्टाचार्य, वर्टिकल प्रमुख - आईटी और मुख्य महाप्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कहा, 'सीएमएमआई मैच्योरिटी लेवल 5 प्राप्त करना यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रक्रिया उत्कृष्टता, मापने योग्य कार्यनिष्पादन, सेवा गुणवत्ता और निरंतर नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मान्यता सुरक्षित, विश्वसनीय और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को और सुदृढ़ करेगी।' सीएमएमआई मैच्योरिटी लेवल 3 से लेवल 5 तक बैंक की प्रगति तकनीकी शासन को मजबूत करने, आंतरिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और सॉफ्टवेयर विकास तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। केपीएमजी ने परामर्श भागीदार के रूप में कार्य किया, बैंक को मूल्यांकन यात्रा के दौरान समर्थन प्रदान किया और इसके प्रथाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में सहायता प्रदान की।

तीसरी बार भाजपा सरकार बनाकर, जनता लोकतंत्र विरोधियों को देगी करारा जवाब : बांसुरी स्वराज

देहरादून (नि०स०)। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी एवं सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज ने प्रदेश कार्यसमिति में शिरकत करते हुए विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला । उन्होंने विश्वास जताया , जनता लगातार तीसरी बार भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर ज़बाब देगी कि भाजपा और मोदी कहीं नहीं जायेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का जनता पर कोई असर नहीं होने वाला है। वहीं जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे, वे देश की सेवा में निरंतर तत्पर हैं। साथ ही विपक्षी दलों पर लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने वालों को प्रदेश की जागरूक जनता अपने मत के माध्यम से करारा जवाब देगी। उन्होंने आगे कहा कि देश और उत्तराखंड के समग्र विकास, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता के लिए जनता मन बना चुकी है। देश की तरह राज्य की जनता भी लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनाकर विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाएगी। साथ ही उन्होंने उत्तराखंड में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास कार्यों का अभूतपूर्व बताया।

बदरीनाथ धाम पहुंचे 23.49 लाख श्रद्धालु: निकला 485 टन कचरा, बिक्री से नगर पंचायत ने कमाए 9 लाख

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ धाम में बड़ी मात्रा में कचरा एकत्रित हुआ। इस वर्ष यात्रा सीजन में बदरीनाथ नगर पंचायत ने 485.9 टन कचरा एकत्रित कर उसका प्रसंस्करण किया और बिक्री से नौ लाख रुपये की आय अर्जित की। चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। 16 नवंबर को कपाट बंद होने तक साढ़े छह माह की यात्रा अवधि में 23.49 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए। चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए जिले के नगर निकायों में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बदरीनाथ नगर पंचायत ने स्वच्छता के साथ कचरा प्रबंधन को आय का माध्यम बनाया है। नगर पंचायत ने इस वर्ष यात्रा काल में 485.9 टन कचरा एकत्रित एवं प्रसंस्कृत कर उसकी बिक्री से नौ लाख रुपये की आय अर्जित की है। जिलाधिकारी के अनुसार, बदरीनाथ नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सुबह और शाम दो पालियों में सफाई कराई गई। इसके साथ ही घर-घर कूड़ा संग्रहण अभियान के माध्यम से घरों से निकलने वाले कचरे को भी एकत्रित किया गया।उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और कचरे के पुनर्चक्रण की यह पहल चारधाम यात्रा मार्गों को स्वच्छ बनाए रखने में मददगार साबित हो रही है। साथ ही इससे स्थानीय निकायों के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने का भी माध्यम तैयार हो रहा है।

सन वैली स्कूल में कक्षा 1, 2 और 3 का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया

देहरादून (नि०स०)। सन वैली स्कूल, देहरादून में रविवार, 22 नवंबर 2026 को कक्षा 1, 2 और 3 का वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह, उमंग और भव्यता के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मधुर हिंदी समूहगान से हुआ, जिसके बाद विद्यार्थियों ने अंग्रेजी समूहगान की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके पश्चात ऊर्जावान एरोबिक्स डांस और प्रभावशाली कराटे प्रदर्शन ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कराटे प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण का परिचय दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'द मैजिक बुकवाला एंड द फॉरगॉटन स्टोरीज' नामक लघु नाटिका रही, जिसमें पुस्तकों के प्रति प्रेम, पढ़ने की आदत और कहानियों की जादुई दुनिया का खूबसूरत संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन 'चांद तारे तोड़ लाऊं' गीत पर शानदार ग्रैंड फिनाले प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिभावकों और अतिथियों ने नन्हे कलाकारों के आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत की खूब सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री पूजा अरोड़ा ने कहा, 'वार्षिकोत्सव हमारे नन्हे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने, स्वयं को अभिव्यक्त करने और आत्मविश्वास विकसित करने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। प्रत्येक प्रस्तुति विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

ऐतिहासिक हैट्रिक के लिए कमर कस कर मैदान में उतरे कार्यकर्ता : राम माधव

हरिद्वार, (नि०स०)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी श्री राम माधव ने विस्तृत प्रदेश कार्यसमितिको को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड में भाजपा ही 'नेचुरल पार्टी ऑफ गवर्नेंस' है। क्योंकि यह देवभूमि भी है और बीरभूमि भी और भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जीने वाली पार्टी है। इसलिए पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के इतिहास सृजन के लिए चुनावी मैदान में उतरेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता और परिश्रम के दम पर टिकट की दावेदारी कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्य दलों की तरह यहां परिवारवाद या धनबल के आधार पर निर्णय नहीं होते, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हैं, जिन्होंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने टिकट के दावेदारों और कार्यकर्ताओं से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि अंतत: टिकट किसी एक को ही मिलेगा, लेकिन पार्टी की जीत के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली, पंजाब और हिमाचल से आए विस्तारक जिला केंद्रों में रहकर प्रवासी कार्यकर्ता सहयोग और अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह का माहौल और उत्साह प्रदेश में है, उसे देखते हुए भाजपा को कोई बाहरी ताकत नहीं हरा सकती, बस कार्यकर्ताओं को अपनी सक्रियता बनाए रखनी होगी। उन्होंने उत्तराखंड के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि राज्य के 27 वर्षों के इतिहास में जनता ने 17 वर्षों तक भाजपा को सेवा का अवसर दिया है।

उन्होंन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने वाली नहीं, बल्कि रिकॉर्ड तोड़ने वाली पार्टी है। उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से बताया कि उत्तराखंड और हिमाचल जैसे राज्यों में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा को भाजपा ने तोड़ा है। 10 साल के सफल शासन के बाद अब पार्टी 15 साल तक निरंतर जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राम माधव ने कहा कि उत्तराखंड की एक करोड़ बीस लाख धर्मनिष्ठ और देशभक्त जनता का आशीर्वाद सदैव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ रहा है। ये देवों एवं वीरों की भूमि है और भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जीवन में उतारकर निरंतर आगे बढ़ने वाली पार्टी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उत्तराखंड में भाजपा ही 'नेचुरल पार्टी ऑफ गवर्नेंस' है। उन्होंने कहा कि आदि कैलाश से लेकर बद्रीनाथ धाम तक हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों और भगवान महादेव के आशीर्वाद के बल पर ही केंद्र में मोदी जी सशक्त सरकार चल रही है, जिसे हमे कमजोर नहीं होने देना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूर्ण समर्पण के साथ जुट जाएं ताकि उत्तराखंड का यह आशीर्वाद निरंतर बना रहे और राज्य में पुन: भाजपा की सरकार बने।

संपर्क, संवाद, सहभाग और सेवा' के मंत्र से हर बूथ कमल खिलाना है: अरविंद मेनन

देहरादून (नि०स०)। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी अरविंद मेनन ने आज कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी चुनावों के मद्देनजर बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान को धार देने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर होती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी मजबूती के साथ अपने बूथ पर कमल खिलाने के संकल्प के साथ जुटना होगा। मेनन ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए 51 फीसदी वोट का लक्ष्य और बूथ प्रबंधन पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कहा, हमे प्रत्येक बूथ पर 51 फीसदी से अधिक वोट प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ योजनाबद्ध तरीके से काम करना है। निचले स्तर तक समाज के हर वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पार्टी से जोड़ना होगा। कार्यकर्ताओं को संपर्क, संवाद, सहभाग और सेवा के मूल मंत्र को अपनाते हुए जनता के बीच अपनी सक्रियता बढ़ानी है और पार्टी के सभी कार्यक्रमों को पूरी मजबूती व समर्पण के साथ धरातल पर उतारना है। उन्होंने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की धामी सरकार के ऐतिहासिक विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का रिपोर्ट कार्ड जारी किया जाएगा, जिसे प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर तक ले जाना है। व्यक्तिगत संपर्क के साथ-साथ सोशल मीडिया और प्रचार-प्रसार के हर आधुनिक माध्यम का प्रभावी उपयोग करते हुए मोदी-धामी सरकार की उपलब्धियों पर जनता के बीच व्यापक चर्चा करनी है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए श्री अरविंद मेनन ने कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर कांग्रेस के वास्तविक चरित्र को भी उजागर करना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि, 'यदि भ्रष्टाचार का कोई ओलंपिक या खेल होता, तो उसमें गोल्ड मेडल सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस को ही मिलता। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में अंग्रेजी वर्णमाला के 'ऽ' से लेकर 'ँ' तक कोई ऐसा अक्षर नहीं छोड़ा है, जिसके नाम से कोई घोटाला न किया हो।' उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डबल इंजन सरकार की नीतियों और राष्ट्रवाद के विचार को जन-जन तक पहुंचाएं ताकि उत्तराखंड के हर बूथ पर भाजपा की प्रचंड विजय सुनिश्चित हो सके।

देहरादून में हरीश रावत का आत्मीय भोज

देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने आज राजधानी देहरादून में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रबुद्ध एवं गणमान्य नागरिकों के सम्मान में एक आत्मीय दोपहर भोज का आयोजन किया। इस खास अवसर पर उन्होंने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा लिखित बहुचर्चित आत्मकथा 'BelongingÑ A Journey of Love' की प्रतियां सभी आमंत्रित अतिथियों को सप्रेम भेंट कीं। दरअसल, यह आयोजन केवल एक औपचारिक भोज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभिन्न विचारधाराओं और कार्यक्षेत्रों से जुड़े लोगों के बीच संवाद का एक बड़ा मंच बन गया। कार्यक्रम में करीब 60 से 70 प्रतिष्ठित लोगों ने शिरकत की। इनमें कांग्रेस



के दिग्गज नेताओं और पदाधिकारियों के अलावा राज्य के नामी चिकित्सक, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्य व संस्कृत जगत के विद्वान और जनसरोकारों से जुड़े चिंतक शामिल रहे। खास बात यह रही कि इस आत्मीय मिलन में वामपंथी दलों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भोज शुरू होने से पहले हरीश रावत ने स्वयं प्रत्येक अतिथि के पास जाकर उन्हें यह पुस्तक भेंट की। वहीं, उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव कुमारी शैलजा ने भी पद्मश्री बसंती बिष्ट और पूर्व मुख्य सचिव सहित अन्य गणमान्य लोगों को अपने हाथों से पुस्तक प्रदान की। इस दौरान कुमारी शैलजा ने सोनिया गांधी के साथ बिताए अपने पुराने संस्मरणों को भी याद किया। कुमारी शैलजा ने कहा, 'सोनिया जी में बेहद आत्मीयता और ममत्व का भाव है, और उनके साथ बिताए गए वे पल मेरे लिए हमेशा अविस्मरणीय रहेंगे।' असल में, सोनिया गांधी की यह पुस्तक हाल ही में 10 नवंबर को प्रकाशित हुई है, जिसमें उन्होंने इटली से भारत आने, राजीव गांधी के साथ अपने जीवन और भारतीय राजनीति के उतार-चढ़ावों को बेहद निजी अंदाज में साझा किया है।

विधानसभा निर्वाचन-2027 में शत-प्रतिशत मतदान के लिए ट्रांसजेंडर समुदाय की आइकॉन नामित हुई रेक्सा दानू

देहरादून (नि०स०)। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत जनपद देहरादून में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून द्वारा सुश्री रेक्सा दानू (ट्रांसजेंडर), देहरादून को जनपद के समस्त ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मतदान आइकॉन नामित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय के मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना है। सुश्री रेक्सा दानू अपने समुदाय के सदस्यों को मतदान के महत्व से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित करेंगी। नामित आइकॉन द्वारा आगामी विधानसभा निर्वाचन-2027 के दौरान जनपद के आम नागरिकों को भी अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, मतदान के दिन अपने मतदेय स्थल पर पहुंचकर मतदान करने तथा अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया जाएगा। दीपांकर घिल्डियाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी/ नोडल अधिकारी (स्वत) देहरादून ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मतदान जागरूकता अभियान से जोड़ना समावेशी एवं सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के माध्यम से जनपद में 'कोई मतदाता न छूटे, प्रत्येक मतदाता मतदान करे' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

सर्दियों में इस्तेमाल करनी चाहिए कोल्ड क्रीम, इसे लगाने से मिलते हैं ये मुख्य फायदे



सर्दियों में शुष्क हवा चलती है, जिसकी वजह से त्वचा फटने लगती है। ऐसे में साधारण क्रीम असर नहीं कर पाती और रूखेपन को कम करने में सक्षम नहीं हो पाती है। इस मौसम के दौरान कोल्ड क्रीम लगाने की सलाह दी जाती है, जिसे खास तौर से सर्दी के लिए बनाया जाता है। यह तेल वाला गाढ़ा मॉइस्चराइजर होता है, जो त्वचा को गहराई तक हाइड्रेट करता है। इसके जरिए त्वचा की देखभाल करने से ये लाभ मिलते हैं।

रूखेपन से मिलता है छुटकारा

सर्दियों में कोल्ड क्रीम इस्तेमाल करने का सबसे मुख्य लाभ यह है कि इसकी मदद से त्वचा हाइड्रेट रहती है। यह क्रीम रूखेपन का इलाज करके त्वचा को नमी प्रदान करती है। इसे लगाने पर यह आपकी त्वचा की गहरी कोशिकाओं में फैल जाएगी और उनकी पूरी तरह से मरम्मत कर देगी। यह त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बना देती है, जो नमी को रोकती है और पानी की कमी भी नहीं होने देती।

लालपन और खुजली होती है ठीक

सर्दियों में कई लोगों की त्वचा लाल पड़ जाती है और उन्हें खुजली भी होती रहती है। ऐसे लोगों के लिए कोल्ड क्रीम लगाना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। यह क्रीम त्वचा की खोई हुई नमी को बहाल करने का काम करती है, जिससे इन दोनों समस्याओं का निवारण हो जाता है। इतना ही नहीं, यह क्रीम त्वचा से जुड़ी आम एलर्जी के इलाज में भी मदद कर सकती है।

फटे होंठों को भी देती है नमी

कोल्ड क्रीम केवल त्वचा की ही नहीं, बल्कि होंठों की देखभाल में भी सहयोग कर सकती है। इसे नियमित रूप से इस्तेमाल करने से फटे हुए होंठ दोबारा नमी युक्त हो जाते हैं। अगर आपने एक अच्छी गुणवत्ता वाली कोल्ड क्रीम में निवेश किया है तो आपको अलग से लिप बाम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे दिन में 2 से 3 बार होंठों पर लगाएं और असर देखें। इसकी मदद से होंठों का रंग भी गुलाबी हो जाएगा।

त्वचा की बनावट में आता है सुधार

कोल्ड क्रीम को रोजाना कम से कम 2 बार तो इस्तेमाल करना ही होता है। ऐसा करने से समय के साथ आपकी त्वचा की बनावट में सुधार आना शुरू हो जाएगा। इसके मॉइस्चराइजिंग तत्व त्वचा को मुलायम बना देते हैं, जबकि ग्लिसरीन जैसे अन्य तत्व गहराई तक नमी प्रदान करते हैं। हाइड्रेशन को रोक कर रखने और नमी बढ़ाने वाले गुणों के कारण कोल्ड क्रीम त्वचा को पर्यावरणीय परेशानियों और डिहाइड्रेशन से बचाती है।

मेकअप साफ करने के लिए हो सकती है इस्तेमाल

सर्दियों में मेकअप लगाने से डर लगता है, क्योंकि यह त्वचा को और शुष्क बना देता है। हालांकि, अगर आप आधार के रूप में कोल्ड क्रीम लगाएंगी तो त्वचा में नमी बनी रहेगी। इस क्रीम की मदद से आप मेकअप को साफ भी कर सकती हैं। इसके गाढ़े तेल और पिघलने वाली बनावट के चलते यह मेकअप को पिघलाकर साफ कर देती है। इसके कोई नकारात्मक प्रभाव भी नहीं होते, जिसके चलते यह सभी के लिए सुरक्षित होती है।

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके



लिपस्टिक एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो महिलाओं के लिए बहुत अहम होता है, लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि लिपस्टिक को कैसे लंबे समय तक टिकाया जा सकता है। इसके लिए कुछ आसान और असरदार तरीके हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी लिपस्टिक को पूरे दिन बरकरार रख सकती हैं। इन तरीकों की मदद से आपकी लिपस्टिक न केवल लंबे समय तक चलेगी बल्कि आपके होंठों को भी खूबसूरत बनाए रखेगी।

होंठों की सफाई करें- लिपस्टिक लगाने से पहले अपने होंठों को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए आप हल्के गर्म पानी से धो सकती हैं या फिर होंठों को मुलायम कपड़े से पोंछ सकती हैं। इससे आपके होंठों पर कोई गंदगी या तेल नहीं रहेगा और लिपस्टिक अच्छे से लगेगी। यह सुनिश्चित करेगा कि लिपस्टिक आपके होंठों पर सही तरह से फैले और पूरे दिन टिके रहे।

लिप बाम का इस्तेमाल करें- अपने होंठों को नमी देने के लिए लिप बाम का इस्तेमाल करें। यह आपके होंठों को नरम बनाएगा और लिपस्टिक को चिकना रखने में मदद करेगा। इसके लिए आप बिना रंग वाला लिप बाम चुन सकती हैं, जो आपके होंठों को पोषण देगा और उन्हें सूखा होने से बचाएगा। लिप बाम लगाने से पहले थोड़ी देर इंतजार करें ताकि यह अच्छे से अवशोषित हो जाए और आपके होंठ तैयार हो जाएं।

लिपलाइनर का उपयोग करें- लिपलाइनर का उपयोग करने से आपकी लिपस्टिक की शेप साफ-सुथरी रहेगी और वह ज्यादा देर तक टिकी रहेगी। इसके लिए अपने होंठों के प्राकृतिक आकार के अनुसार लिपलाइनर से हल्की रेखाएं बनाएं। इससे आपकी लिपस्टिक फैलने नहीं पाएगी और पूरे दिन बरकरार रहेगी। लिपलाइनर लगाने से आपके होंठों को एक सुंदर और परिभाषित रूप मिलेगा, जिससे आपकी लिपस्टिक और भी आकर्षक दिखेगी। यह एक सरल लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आपके होंठ लंबे समय तक खूबसूरत रहेंगे।

सेटिंग पाउडर लगाएं- लिपस्टिक लगाने के बाद हल्का सा सेटिंग पाउडर लगाने से यह सुनिश्चित होगा कि आपकी लिपस्टिक पूरे दिन बरकरार रहेगी। इसके लिए एक छोटे ब्रश पर थोड़ा सा सेटिंग पाउडर लें और इसे धीरे-धीरे अपने होंठों पर लगाएं। इससे आपकी लिपस्टिक न केवल फैलने से बचेगी बल्कि लंबे समय तक टिकेगी भी। यह तरीका आपके होंठों को एकदम बेहतरीन लुक देगा और पूरे दिन आपके लुक को बनाए रखेगा।

टच-अप करना न भूलें- दिनभर की हलचल के बाद आपकी लिपस्टिक थोड़ी फीकी पड़ सकती है, इसलिए समय-समय पर टच-अप करना जरूरी है। इसके लिए अपने साथ एक छोटा लिपस्टिक या लिप बाम रखें और जब भी आपको लगे कि आपकी लिपस्टिक फीकी पड़ रही है, उसे दोबारा लगाएं। इन सरल और असरदार तरीकों की मदद से आप अपनी लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रख सकती हैं और पूरे दिन खूबसूरत दिख सकती हैं।

आपका राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्त्र के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें है तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें है तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारीयां मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

करियर की शुरुआत में डबल रोल निभाने में क्या आई चुनौती, शनाया कपूर ने बताया



अभिनेत्री शनाया कपूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क सीरीज में अपने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी।

शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की।

सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए आंखों की गुस्ताखियां फेम अभिनेत्री ने लिखा, यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी।

उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर नेतृत्व वाली टीम तक आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा, पूरी क्रू टीम का धन्यवाद—इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और मुझे पता है कि हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने सभी से शो देखने की अपील की और लिखा, कृपया कल जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क 2012 की कैंपस-रोमांस फ्रेंचाइजी को एक सस्पेंस से भरी मर्डर मिस्ट्री के रूप में पेश करती है। इस सीरीज के साथ शनाया कपूर ओटीटी (ओटीटी) पर डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह जुड़वां बहन आयशा और अदिति मलिक के डबल रोल में नजर आएंगी।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा, रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है



बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन-3 ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है। अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे। वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है। यह सीरीज भावनात्मक रूप से झकझोर देने वाली और पुलिस की जांच पर आधारित एक बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर है। इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। सीरीज में रसिका के साथ-साथ शेफाली शाह (डीआईजी वर्तिका चतुर्वेदी), हुमा कुरैशी (खतरनाक विलेन बड़ी दीदी), राजेश तैलंग और सयानी गुप्ता अहम भूमिकाओं में हैं।

दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कॉन्सर्ट पर नई पाबंदियों की मांग, पटियाला पेग समेत 4 गाने नहीं गाने को कहा



पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। गुजरात के अहमदाबाद में 21 नवंबर को होने वाले उनके लाइव कॉन्सर्ट से पहले जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कई पाबंदियां लगाने की मांग की है। अधिकारी ने दिलजीत से शराब, नशे और हिंसा को बढ़ावा देने वाले चार गाने नहीं गाने को कहा है। इसके अलावा कॉन्सर्ट में तेज आवाज, चमकती लाइटों और बच्चों को स्टेज पर बुलाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में चार गानों का खास तौर पर जिक्र किया गया है। इनमें पटियाला पेग, 5 तारा ठेके, जेब विचो फीम और जट्ट फायर करदा शामिल हैं। बाल संरक्षण अधिकारी का कहना है कि इन गानों के बोल में शराब, अफीम, नशे और हथियारों का जिक्र है, जिसका बच्चों और युवाओं पर गलत असर पड़ सकता है। इन गानों को बदले हुए बोल के साथ भी नहीं गाया जाना चाहिए।

वहीं, दिलजीत 15 नवंबर को इंदौर में भी परफॉर्म करने वाले हैं। उनके इस कॉन्सर्ट से पहले शहर में तीन बैंकों और मेयर सेक्रेटेरिएट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। ईमेल पंजाबी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में लिखे गए हैं।

धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। जिन जगहों को निशाना बनाने की बात कही गई है, वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेयर सेक्रेटेरिएट की बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने पूरी तलाशी ली। टीम ने सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की।

जानकारी के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में बंधन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और इंदौर के मेयर सचिवालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। ईमेल मिलने के बाद बम डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम मेयर सेक्रेटेरिएट पहुंची और परिसर की बारीकी से जांच की। इस मामले पर इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि कुछ लोग अच्छे कामों में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसी धमकियों से कुछ हासिल नहीं होगा। इस तरह की धमकियों से शहर में होने वाले कार्यक्रमों और विकास से जुड़े कामों पर असर नहीं पड़ेगा।

वहीं, पुलिस अधिकारी राजेश दंडोतिया ने बताया कि चार अलग-अलग जगहों को निशाना बनाकर ईमेल के जरिए धमकियां दी गई हैं। पुलिस इन ईमेल की जांच कर रही है और उन्हें भेजने के लिए इस्तेमाल की गई ईमेल आईडी का पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी जानने की कोशिश की जा रही है कि ये धमकी भरे संदेश कहां से भेजे गए और इनके पीछे कौन लोग हैं।

सूर्या से सनी देओल का पहला गाना जारी, उदित नारायण और कुमार सानू ने दी आवाज

अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूया:ंअंत से आरंभ तक' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद अब निर्माताओं ने इसका पहला गीत 'सुनियो जरा' रिलीज कर दिया है। इस गीत की खास बात यह है कि मशहूर गायक उदित नारायण और कुमार सानू 21 साल बाद एक बार फिर साथ आए हैं। गीत का फिल्मांकन सनी देओल और रवि किशन पर किया गया है। 'सुनियो जरा' को उदित नारायण और कुमार सानू ने अपनी आवाज दी है। गायन में अनुपम अमोद ने भी उनका साथ दिया है। गीत का संगीत राही ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल प्रिया सरैया ने लिखे हैं। जी म्यूजिक कंपनी ने इसे जारी किया है।

मुख्यमंत्री धामी ने अमरापुर घाट पर किया 10 हजार मत्स्य बीजों का संचयन

मां गंगा की प्राकृतिक मत्स्य संपदा एवं जलीय जैव विविधता के संरक्षण पर दिया जोर
- मुख्यमंत्री ने गंगा की स्वच्छता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में जनसहभागिता बढ़ाने की अपील की



देहरादून 22 नवंबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को विश्व मात्स्यिकी दिवस के उपलक्ष्य में हरिद्वार के अमरापुर घाट पर मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए गंगा नदी में 10 हजार मत्स्य बीजों का संचयन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य गंगा की प्राकृतिक मत्स्य संपदा का संरक्षण एवं संवर्धन, जलीय जैव विविधता को बढ़ावा देना तथा नदी के पारिस्थितिकीय संतुलन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मां गंगा हमारी आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक होने के साथ ही समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों का महत्वपूर्ण आधार भी हैं। गंगा की निर्मलता, अविरलता और प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नदियों में पाए जाने वाले जलीय जीवों एवं प्राकृतिक मत्स्य संपदा का संरक्षण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। नदियों में उपयुक्त प्रजातियों के मत्स्य बीजों का संचयन प्राकृतिक मत्स्य संपदा के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे प्रयासों से जलीय पारिस्थितिकी के संरक्षण के साथ ही मत्स्य संसाधनों के सतत विकास को प्रोत्साहन मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने आमजन से मां गंगा सहित प्रदेश की सभी नदियों की स्वच्छता बनाए रखने, जल प्रदूषण रोकने तथा जलीय जीवों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नदियां और प्राकृतिक संसाधन आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण करते हुए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, समृद्ध एवं पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, उप जिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा, सहायक निदेशक मत्स्य गरिमा मिश्रा, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर शिशुपाल सिंह नेगी सहित मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार ने जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में किये अनेकों ऐतिहासिक कार्यः त्रिवेंद्र सिंह रावत

हरिद्वार 22 नवंबर (नि०स०)। भाजपा की विस्तृत प्रदेश कार्यसमिति में रखा गया राजनैतिक प्रस्ताव प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में। सर्वसम्मिति से पास किया गया। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने राजनीतिक प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश सरकार ने जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, होमस्टे योजना, मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना तथा आयुष्मान भारत योजना को जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली योजनाएं बताया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के माध्यम से उत्तराखंड के 17 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। चारधाम के अतिरिक्त प्रदेश में पांचवें धाम के रूप में सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। सीमांत गांवों को प्रथम गांव के रूप में विकसित करने और स्टेट बॉर्डर डेवलपमेंट फंड के माध्यम से वहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने से सीमांत क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में 10 मेडिकल कॉलेजों का होना स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण है। किसानों और महिलाओं को 6 लाख रुपये तक ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराने की योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही सच्चा राष्ट्र निर्माण : अजय टम्टा

इसी क्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा जी ने राजनीतिक प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के उन गांवों को, जिन्हें कभी अंतिम गांव कहा जाता था, अब प्रथम गांव के रूप में पहचान मिल रही है। उन्होंने माणा और गूंजी जैसे सीमांत क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के आगमन और सीमांत गांवों को प्रथम गांव का दर्जा दिए जाने के बाद वहां विकास की गति तेज हुई है। इन क्षेत्रों में सड़क, पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़ने से रिवर्स माइग्रेशन को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

श्री टम्टा जी ने कहा कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही वास्तविक राष्ट्र निर्माण है। पिछले दस वर्षों में केंद्र और प्रदेश सरकारों ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि देश का रक्षा निर्यात 40 हजार करोड़ रुपये से आगे बढ़ चुका है। सीमांत क्षेत्रों में बीआरओ के माध्यम से सड़क निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। किसान सम्मान निधि के माध्यम से देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। मानसखंड और केदारखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाएं भविष्य में पर्यटन और श्रद्धालुओं की सुविधा को नई दिशा देंगी। इसके अतिरिक्त प्रस्ताव का अनुमोदन हरिद्वार जिला अध्यक्ष श्री आशुतोष शर्मा, रुद्रप्रयाग जिला अध्यक्ष श्री भारत भूषण भट्ट, बागेश्वर जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रभाग गड़िया, कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, श्री खजान दास एवं श्री मदन कौशिक एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती दीप्ति रावत किया गया।

भाजपा सरकार से सवाल से पहले कांग्रेस काल के भ्रष्टाचार का हिसाब दे शैलजाः सुबोध उनियाल



देहरादून 22 नवंबर(नि०स०)। कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा सरकार पर सवाल उठाने से पहले अपने शासनकाल का इतिहास याद कर लेना चाहिए। उत्तराखंड में कांग्रेस के शासनकाल के दौरान भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। प्रदेश के संसाधनों को लूटने के आरोप लगते रहे, सरकारी व्यवस्थाओं में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रहीं, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इन सवालों पर आंखें बंद रखीं। उस समय प्रदेश के हितों की रक्षा करने के बजाय भ्रष्टाचार पर चुप्पी साधे रखी गई। आज वही कांग्रेस नेता भाजपा सरकार के सुशासन और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहे हैं। उनियाल ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार केवल सरकारी व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका सबसे बुरा असर प्रदेश के युवाओं पर पड़ा। सरकारी नौकरियों में योग्यता और मेहनत के बजाय पैसे के प्रभाव को लेकर गंभीर आरोप सामने आते रहे। उस दौर में युवाओं के बीच यह धारणा बनी कि नौकरी पाने के लिए प्रतिभा नहीं, बल्कि पैसे की पोटली की जरूरत है। मेहनत करने वाले युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ हुआ और भर्ती प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए। कांग्रेस नेताओं को बताना चाहिए कि उस समय युवाओं के भविष्य की चिंता उन्हें क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार और नकल माफिया के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश में देश का सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया। भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई और योग्य युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। भाजपा सरकार में नौकरी का आधार किसी की सिफारिश या पैसे की पोटली नहीं, बल्कि योग्यता और मेहनत है। प्रदेश में 35 हजार से अधिक सरकारी नियुक्तियां इस दिशा में सरकार के प्रयासों को दर्शाती हैं। उनियाल ने कुमारी शैलजा से सवाल किया कि कांग्रेस प्रदेश को यह बताए कि उसके शासनकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों पर क्या कार्रवाई की गई? जब प्रदेश के संसाधनों की लूट और सरकारी व्यवस्थाओं में अनियमितताओं के आरोप लग रहे थे, तब कांग्रेस नेतृत्व कहां था? जब युवाओं के भविष्य पर सवाल खड़े हो रहे थे, तब कांग्रेस ने कौन सी जवाबदेही तय की थी?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा सरकार से सवाल पूछने से पहले अपने शासनकाल के भ्रष्टाचार का हिसाब देना चाहिए। उत्तराखंड की जनता कांग्रेस के उस दौर को भूली नहीं है, जब भ्रष्टाचार के आरोपों पर सरकार की चुप्पी और व्यवस्था की अनियमितताएं लगातार चर्चा में रहती थीं। आज प्रदेश में जवाबदेही, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की बात हो रही है, तो कांग्रेस को इससे परेशानी क्यों हो रही है? उनियाल ने कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय पहले अपने कार्यकाल का हिसाब देना चाहिए। उत्तराखंड की जनता को भाषण नहीं, बल्कि जवाब चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में प्रदेश के हितों और युवाओं के भविष्य के साथ हुए अन्याय की जिम्मेदारी कौन लेगा?

श्रृंग ऋषि आश्रम का होगा जीर्णोद्धारः डॉ धन सिंह रावत



देहरादून 22 नवंबर (नि०स०)। श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत थलीसैण विकासखंड में स्थित श्रृंग ऋषि आश्रम का जीर्णोद्धार किया जायेगा। इसके अलावा पैठाणी क्षेत्र में स्थित ताराकुंड की प्राकृतिक झील का सौन्दीयकरण कर दोनों पौराणिक विरासतों को पर्यटन एवं तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके लिये वन एवं पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से कार्ययोजना तैयार करेगा, जिसके निर्देश संबंधित अधिकारियों को दे दिये गये हैं।

सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीनगर में पर्यटन स्थलों के विकास व ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार को लेकर वन एवं पर्यटन विभाग तथा गढवाल मंडल विकास निगम की संयुक्त बैठक ली। जिसमें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र के थलीसैण विकासखंड स्थित श्रृंग ऋषि आश्रम के जीर्णोद्धार को अधिकारियों को निर्देश दिये। डॉ. रावत ने कहा कि श्रृंग ऋषि आश्रम का धार्मिक एवं पौराणिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इसे भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मंदिर परिसर में धर्मशाला का निर्माण, श्रृंग ऋषि की विशाल प्रतिमा की स्थापना तथा आश्रम तक पहुंचने वाले लगभग 12 किलोमीटर लंबे दुर्गम पैदल मार्ग का सुधारीकरण किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

बैठक में डॉ. रावत ने पैठाणी स्थित ताराकुंड के विकास पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ताराकुंड की प्राकृतिक झील को संरक्षित करने के साथ ही मां तारा मंदिर का सौन्दीयकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक पर्यावरण एवं धार्मिक आस्था के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि श्रृंग ऋषि आश्रम और ताराकुंड जैसे स्थल हमारी समृद्ध पौराणिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इनका संरक्षण केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दोनों स्थल वन क्षेत्र में स्थित हैं, इसलिए वन एवं पर्यटन विभाग आपसी समन्वय से इनके विकास की व्यवहारिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करेंगे।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: डॉ. वी.डी. शर्मा
संवाददाता: रजत शर्मा
संरक्षक सलाहकार: डा. अश्विनी काम्बोज
कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : रामेश्वर दत्त शर्मा

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580